

## नया साल शब्दार्थ

अंगी - जरा

अहसास - अनुभव होना

नाता - संबंध

करिष्णा - दया, रहम

छिासी - पिली - पुराना, जो बहुत

दिनां से पनी आ रही है।

कुचलना - रोकना

खिलका - साहस, पराक्रांत

मसलना - मलना, तुर करिष्णा

आम - साधारण

चाह - लालच, इच्छा

आहु-जाश - बंधुत्व, अपनापन

अहसास - अनुभव, एहसास

दूरी - दुराशा, पराया

महाबूरी - विवशनी, जायिरी, बी: सजायता

### साधारण

नया जल बरिदा के माध्यम से कति बरिदा को प्रेशि किया है कि नया जल कुछ नई आंगी ~~बिकर~~ लेकर आया है। जो समय बीत गया उसे छोड़कर, कुशुकी वा ल्याकर एक गाए विप्राय के साथ आगे। प्रेम और करुणा को अपनाए निरस्ये सभी प्राणी सुखपूर्वक रहें। नया जल एक नया सहसाय लेकर आया है। बरिदा शरीर पर फले हुए निरसी भी बाघाएँ आएँ उसे दूर कर आगे बढ़ना सीखें। हिमालय रक्षक कुशुकी के कुशुकी को दूर करें। सबके साथ भाडुियारा तथा फरफर सहयोग

की भावना शुरू। महामात वृत्त जाए।  
बहुत ही मजबूत नहीं। सबकी इच्छाएँ  
पूरी हों उसी के दिनों में ऐसा भावना  
हो। उसी का जीवन शुरू ही  
मजबूत हो।

## माँखिया

- क) प्र- नया साल क्यों लेकर आया है ?  
उ- नया साल एक नया अहसास लेकर आया है।
- ख) प्र- सभी कैसी हवा में साँस ले पाएँ ?  
उ- सभी प्रेम और कक्षा से भरे वातावरण में साँस ले पाएँ।
- ग) प्र- सबके पास बिस्बा संदेशा लेकर जाएँ ?  
उ- सबके पास भाँडुचारे का संदेशा लेकर जाएँ।
- घ) प्र- सबका जीवन कैसा हो ?  
उ- सबका जीवन समान तथा सुखी से भरा हो।

## निश्चल

1. अर्थ निश्चल वाक्य में प्रयोग कीजिए -

क) राह- (रास्ता) - राह पर चलते हुए अक्सर लोग मिलते हैं।

का) - कुरुधा - (दृशा) - कुरुधा का मात सुवनी  
वानी कथालु हीने ही।

ग) - भाद्रिपारा - (मिनाकुनकर रूपा - कयी की  
भाद्रिपारी का सुदंश। पीलावा चारि।

घ) - सुखमय - (सुखु शै मथ) - सुखमा जीक  
सुखमय हीना चारि।

3. ~~क~~ <sup>प</sup> वरि नया विचार जमा गए ?

उ) नया ज्ञान के आने से शुरू। के समय में नई-नई आशाएँ उत्पन्न होती हैं। नई-नई उमंगें मन में विचार जमा जाती हैं।

ख) प्रकृति क्या-क्या छोड़ने के लिए कह रहे हैं ?

उ) प्रकृति सारे समय की सारी बातों को छोड़ने की बात कह रहे हैं। बुराईयों से बचने के लिए।  
वैक्यां उल्लिखित जिनमें से बचने की बातें न  
रहे।

ग) प्रकृति प्रेम बंधन की हवा क्यों लाना चाहती है ?

2) वरि प्रेम कल्पना की हवा लावा चाहते हैं।  
इसकी खुशी हवा में कूदते लें सब। इसी सब  
कूदते से मिलजुलकर रहे।

व.प्र इसी के दिल में क्या होना चाहिए

3) इसी के दिल में प्रेम होना चाहिए। जब सब  
के मन में मन में प्रेम भाव होना लालायनी  
के बीच की दूरियां समाप्त हो जाएगी।

3) प्र हिमाल की मांठ बांधकर वरि इस पंक्ति के  
माध्यम से क्या कहना चाहते हैं?

